

निजी सुरक्षा
एनवीईक्यू स्तर 4 – कक्षा 12
एसएस 406—एनक्यू 2013 : सुरक्षा घटनाओं और
उल्लंघनों पर प्रतिक्रिया

छात्र कार्यपुस्तिका



प.सु.श.केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल

© पं.सुश.केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल, 2012

यह प्रकाशन कॉपीराइट द्वारा सुरक्षित है। कॉपीराइट अधिनियम द्वारा अनुमति प्रयोजनों के अलावा जनता द्वारा पूर्व लिखित अनुमति के बिना इसका पुनः उत्पादन, अंगीकार, इलेक्ट्रॉनिक भण्डार और सम्प्रेषण निषिद्ध है।

छात्र विवरण

छात्र का नाम :

छात्र का रोल नंबर :

बैच शुरू होने की तिथि :

आभार

हम प्रो. परवीन सिंक्लेयर, निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), प्रो. आर. बी., शिवगुंडे, संयुक्त निदेशक, पं. सु. श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), श्री बसाब बनर्जी, प्रमुख, मानक और गुणवत्ता आश्वासन, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम को पाठ्यचर्या तथा अध्यापन – अधिगम सामग्रियों के विकास की पूरी प्रक्रिया के मार्गदर्शन और संचालन के लिए धन्यवाद प्रेषित करते हैं। हम कुंवर विक्रम सिंह, अध्यक्ष, सुरक्षा ज्ञान और कौशल विकास परिषद (एसकेएसडीसी), लेफिटनेंट जनरल एस. एस. चहल (सेवानिवृत्त), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एसकेएसडीसी और मेजर जनरल भूपेन्द्र सिंह घोत्रा (सेवानिवृत्त), मुख्य प्रचालन अधिकारी, एसकेएसडीसी को उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और सहायता के लिए हार्दिक आभार और धन्यवाद देते हैं।

इस इकाई के विकास में श्री के. वी. वेंकटेश, मणिपाल सिटी एंड गल स्किल ट्रेनिंग प्रा. लि., नं. 117, 27वां मेन सेक्टर 2, एमएसआर लेआउट, बैंगलोर, कर्नल (सेवानिवृत्त), उत्कर्ष एस राठौर, उप निदेशक (मानक और क्यूए), सुरक्षा ज्ञान और कौशल विकास परिषद (एसकेडीएससी), 305 सिटी कोर्ट, सिकंदरपुर, एमजी रोड, गुडगांव, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त), उमंग सेठी, सलाहकार, इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड सिक्योरिटी ट्रेनिंग एण्ड मैनेजमेंट, नई दिल्ली, श्री रथिन कुमार बैनर्जी, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड सिक्योरिटी ट्रेनिंग एण्ड मैनेजमेंट प्रा. लि., 45 चिम्बाई रोड, सेंट एण्ड्रूज चर्च के पीछे, ऑफ हिल रोड, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई, सुश्री ललिता अय्यर, प्रमुख – सामग्री विकास, एएसटीएम 45 चिम्बाई रोड, सेंट एण्ड्रूज चर्च के पीछे, ऑफ हिल रोड, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई, श्रीमती नीति माथुर, अध्यापिका (अंग्रेजी), आनंद विहार स्कूल, भोपाल, श्री बलविंदर सिंह, व्यावसायिक अध्यापक (सुरक्षा), जीएसएसएस, उगाला, अंबाला, श्री राकेश मेहता, व्यावसायिक अध्यापक (सुरक्षा), शासकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, मुस्तफाबाद (यमुना नगर), श्री प्रदीप कुमार, व्यावसायिक अध्यापक (सुरक्षा), जीएसएसएस, रोहतक के कठोर प्रयासों और प्रतिबद्धता हेतु धन्यवाद की पात्र हैं।

हम डॉक्टर विनय स्वरूप मेहरोत्रा, एसो. प्रोफेसर और प्रमुख, पाठ्यचर्या विकास और मूल्यांकन कार्य समूह, पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. और कर्नल (सेवानिवृत्त) तपेश चंद्र सेन के प्रति आभारी हैं जिन्होंने सामग्री को अंतिम रूप देने तथा कार्यपुस्तिका के संपादन में पर्याप्त योगदान दिया है।

विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
आभार	4
प्रस्तावना	6
आपकी कार्यपुस्तिका के बारे में	8
परिचय	10
सत्र 1 : घटना प्रबंधन	12
सत्र 2 : बम और आईईडी खतरों से निपटना	23
शब्दावली	31

प्रस्तावना

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 में सिफारिश की गई है कि विद्यालयों में बच्चों के जीवन को विद्यालय के बाहरी जीवन के साथ जोड़ना अनिवार्य है। इस सिद्धांत के अनुसार किताबी अध्ययन की परंपरा छोड़ देनी चाहिए जो हमारे तंत्र को लगातार एक आकार देती आई है और विद्यालय, घर, समुदाय और कार्यस्थल के बीच अंतराल लाती है।

‘सुरक्षा घटनाओं और उल्लंघनों पर प्रतिक्रिया’ पर यह छात्र कार्यपुस्तिका मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार के एक प्रयास, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा योग्यता रूपरेखा (एनवीईक्यूएफ) के कार्यान्वयन हेतु विकसित अर्हता पैकेज का भाग है, जिसमें विद्यालयों, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों, तकनीकी शिक्षा संस्थानों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में अपनाई जाने वाली राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अर्हता प्रणाली के लिए सामान्य सिद्धांत और दिशा निर्देश तय किए जाते हैं। यह संकल्पना की गई है कि एनवीईक्यूएफ से अर्हताओं की पारदर्शिता, विषम क्षेत्रीय अधिगम, छात्र केंद्रित अधिगम और छात्र को विभिन्न अर्हताओं के बीच चलनशीलता की सुविधा को बढ़ावा मिलेगा और इस प्रकार जीवन भर अधिगम को प्रोत्साहन मिलता रहेगा।

यह छात्र कार्यपुस्तिका, जो कक्षा 11 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए व्यावसायिक अर्हता पैकेज का एक भाग है, इसे विशेषज्ञों के एक समूह द्वारा बनाया गया था। निजी सुरक्षा उद्योग के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा अनुमोदित सुरक्षा ज्ञान और कौशल विकास परिषद (एसकेएसडीसी) द्वारा राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस) का विकास किया गया। राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक प्रतिस्पर्द्धा मानकों और दिशानिर्देशों का एक सेट है जिसे कार्य स्थल में प्रभावी निष्पादन के लिए आवश्यक कौशलों तथा ज्ञान के आकलन एवं मान्यता देने हेतु निजी सुरक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों द्वारा पृष्ठांकित किया गया है।

पं. सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने सुरक्षा ज्ञान और कौशल विकास परिषद (एसकेएसडीसी) के साथ मिलकर एनवीईक्यू के लिए स्तर 1 से 4 तक निजी सुरक्षा क्षेत्र में व्यावसायिक अर्हता पैकेज के लिए मॉड्यूलर पाठ्यचर्या और अधिगम सामग्रियों (इकाइयों) का विकास किया है, स्तर 1 कक्षा 9 के समकक्ष है। एनओएस के आधार पर मूल दक्षताओं (ज्ञान, कौशल और क्षमताएं) से संबंधित व्यावसाय को पाठ्यचर्या तथा अधिगम मॉड्यूल (इकाइयों) के विकास के लिए अभिज्ञात किया गया था।

इस छात्र कार्यपुस्तिका में प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की अनिवार्य नम्यता, विभिन्न विषय क्षेत्रों के बीच स्पष्ट सीमा रेखाओं को तोड़ने के लिए अनिवार्य माने गए अधिगम के रटने के पुराने तरीके को निरुत्साहित करने का प्रयास किया गया है। इस कार्यपुस्तिका में पूर्णता और आसपास नजर दौड़ाने के अवसरों, छोटे समूहों में चर्चा तथा स्वयं करने के अनुभव की आवश्यकता वाली गतिविधियों को स्थान तथा उच्च प्राथमिकता देकर इन प्रयासों को संवर्धित करने का प्रयास किया गया है। हमें आशा है कि इन साधनों से हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में बताई गई बाल केंद्रित शिक्षा प्रणाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकेंगे।

इस प्रयास की सफलता उन कदमों पर निर्भर करती है जो विद्यालयों के प्रधानाचार्य और अध्यापक अपने अधिगम को दर्शाने तथा काल्पनिक और कार्य के दौरान की जाने वाली गतिविधियों तथा प्रश्नों को आगे बढ़ाने के लिए अपने छात्रों को प्रोत्साहन देने के लिए उठाएंगे। कौशल विकास अभ्यासों और मान्यताओं एवं रचनात्मकता के पोषण में छात्रों की भागीदारी तभी संभव है यदि हम अधिगम में छात्रों को भागीदार के रूप में शामिल करें और वे मात्र सूचना के ग्राही नहीं बनें। ये लक्ष्य विद्यालय की दैनिक दिनचर्या तथा कार्यशैली में पर्याप्त बदलाव लाते हैं। प्रतिदिन की समय तालिका में नम्यता गतिविधियों के कार्यान्वयन में सक्रियता बनाए रखने के लिए अनिवार्य होगी और अध्यापन और प्रशिक्षण के लिए अध्ययन दिवसों की आवश्यक संख्या को बढ़ाया जाएगा।

कार्यपुस्तिका के बारे में

यह कार्यपुस्तिका आपको दक्षता इकाई एसएस406 – एनक्यू 2013 : सुरक्षा घटनाओं और उल्लंघनों पर प्रतिक्रिया पूरा करने में सहायता देने के लिए है। आपको कक्षा कक्ष में, कार्यस्थल पर या आपके अध्यापक या प्रशिक्षक के मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में अपने समय के अनुसार इसे इस्तेमाल करना चाहिए।

इस कार्यपुस्तिका में दिए गए अनुभागों से दक्षता की इकाई के विभिन्न पक्षों पर संगत ज्ञान और कौशल (मृदु और कठोर) अर्जित करने में आपको सहायता मिलेगी। प्रत्येक सत्र इतना छोटा है कि इसे आसानी से अगले सत्र पर जाने से पहले समझा और अपनाया जा सकता है। दृश्य के माध्यम से जानकारी देने और पाठ को जीवंत तथा आपके लिए अंतः क्रियात्मक बनाने हेतु एनिमेटिड तस्वीरें और फोटो शामिल किए गए हैं। आपकी कल्पना का उपयोग करते हुए आप स्वयं अपने कुछ चित्र बनाने का प्रयास कर सकते हैं या अपने अध्यापक की सहायता ले सकते हैं। आइए अब देखें कि इन सत्रों के अनुभागों में आपके लिए क्या जानकारी है।

अनुभाग 1 : परिचय

इस अनुभाग में आपको इकाई के विषय का परिचय दिया गया है। इसमें आपको बताया गया है कि आप इकाई में शामिल विभिन्न सत्रों में क्या सीखेंगे।

अनुभाग 2 : संगत ज्ञान

इस अनुभाग में आपको सत्र में शामिल किए गए विषयों पर संगत जानकारी दी गई है। इस अनुभाग के माध्यम से विकसित ज्ञान से आप कुछ गतिविधियों के निष्पादन कर सकेंगे। आपको अभ्यास पूरा करने से पहले विषय के विभिन्न पक्षों पर एक समझ विकसित करने के लिए पर्याप्त सूचना पढ़नी चाहिए।

अनुभाग 3 : अभ्यास

प्रत्येक सत्र में अभ्यास होते हैं, जिन्हें आप समय पर पूरा करें। आप कक्षा कक्ष में, घर में या कार्य स्थल पर इन गतिविधियों का निष्पादन करेंगे। इस अनुभाग में शामिल की गई गतिविधियों से आपको अनिवार्य ज्ञान, कौशल और मनोवृत्ति के विकास में सहायता मिलेगी जिनकी आवश्यकता आपको कार्यस्थल पर कार्यों के निष्पादन में सक्षमता पाने के लिए है। गतिविधियां आपके अध्यापक या प्रशिक्षक के पर्यवेक्षण में की जानी चाहिए जो आपको कार्यों को पूरा करने का मार्गदर्शन तथा आपके निष्पादन में सुधार के लिए प्रतिक्रिया भी देंगे। इसे प्राप्त करने के लिए आपके अध्यापक या प्रशिक्षक के परामर्श से एक समय तालिका बनाएं और निर्दिष्ट स्तरों या मानकों का पालन कठोरता पूर्वक करें। यदि आपको समझाई गई कोई बात स्पष्ट रूप से समझ में नहीं आती है तो बेहिचक अपने अध्यापक या प्रशिक्षक से पूछें।

अनुभाग 4 : मूल्यांकन

इस अनुभाग में शामिल किए गए समीक्षा प्रश्नों से आपको अपनी प्रगति की जांच करने में सहायता मिलेगी। आपको अगले सत्र में जाने से पहले इन सभी प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम होना चाहिए।

परिचय



सुरक्षा से एक सुरक्षित और खतरे से मुक्त वातावरण मिलता है, जिसमें लोग अपने दैनिक कामकाज कर सकते हैं। तेजी से बदलते सामाजिक और तकनीकी वातावरण में, सुरक्षा पहलुओं, कार्रवाईयों को समझना और आधुनिक उपकरणों का उपयोग करना सुरक्षा में सुधार के लिए काफी अधिक प्रासंगिक है। हालांकि, आदर्श सुरक्षा जैसी कोई अवधारणा नहीं है। किसी भी संगठन की सुरक्षा व्यवस्था को आशंका, संवेदनशीलता और जोखिम व विभिन्न प्रकार की घटनाएं हो सकती हैं, जिन्हें सामान्यतः सुरक्षा/रक्षा घटना या उल्लंघन कहा जाता है। ये घटनाएं विभिन्न कारणों जैसे मानव त्रुटि, तकनीकी और उपकरण त्रुटियों से होती हैं।

सुरक्षा हादसा प्रबंधन किसी भी प्रकार की सुरक्षा की घटनाओं के प्रबंधन की प्रक्रिया है। इससे सुरक्षा कर्मी घटनाओं का रिकार्ड बना सकते व उनके प्रबंधन कर पाते हैं ताकि सुरक्षा घटनाओं का एक सटीक और विस्तृत रिकॉर्ड बनाकर रखा जा सके। भवन, तल और यहां तक कि कमरा स्तर पर विशेष टाइपों व विशेष अवस्थितियों के संबंध में घटना को रिकार्ड किया जाना चाहिए ताकि सभी संबंधित अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, सुरक्षा अधिकारियों और अन्य व्यक्तियों को हमेशा सूचित किया जा सके। आदर्श रूप में सभी घटनाओं की जांच की जानी चाहिए ताकि इससे मौजूदा प्रणाली में कमजोरी का विश्लेषण करने, आर्थिक नुकसान का निर्धारण करने, मानकों और प्रणालियों में सुधार करने, इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कार्रवाई की सिफारिश करने में मदद मिले। घटना की श्रेणी, घटना के प्रकार, अपराध/ गैर-अपराध आदि सहित खोज मापदंडों के किसी भी मेल से सुरक्षा प्रबंधक भी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं।

इस यूनिट का उद्देश्य घटना प्रबंधन की जरूरत और महत्व को समझने के लिए ज्ञान और कौशल प्रदान करना है।

घटना प्रबंधन का मूलतः क्या हुआ, इसका निर्धारण करने, इसकी पुनरावृत्ति को रोकने के उपायों की पहचान करने, आंकड़े एकत्र करने, प्रवृत्ति विश्लेषण और घटना के तत्काल और मूल कारणों का निर्धारण करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

सत्र 1: घटना प्रबंधन

संगत ज्ञान

कोई घटना इस संभावना के लिए चेतावनी होती है कि सुरक्षा/सुरक्षा का उल्लंघन संभावित है अथवा हो गया है। यह ऐसी घटना है जो मानक संचालन का हिस्सा नहीं होती और जिससे कार्य संचालन में व्यवधान होता है अथवा व्यवधान होने की संभावना होती है।

घटना की श्रेणियाँ

घटनाओं को सुरक्षा घटनाओं और रक्षा घटनाओं में वर्गीकृत किया जा सकता है।

सुरक्षा घटना के उदाहरण

चोरी भौतिक सुरक्षा के उल्लंघन का मामला है। चोर की मंशा किसी का सामान चोरी करने की होती है। चूंकि चोरी की रोकथाम सुरक्षा कर्मियों की जिम्मेदारी होती है, हुई चोरी अथवा संभावित चोरी सुरक्षा घटना का दर्जा धारण करती है। चोरी की प्रकृति बड़ी और छोटी हो सकती है और इसके कारण और आगे दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए औपचारिक जांच की आवश्यकता होती है।

जानबूझकर क्षति एक ऐसा कृत्य है जिससे बदनीयती किसी की पहचान, प्रतिष्ठा या भौतिक संपत्ति को नुकसान होता है। संभावना है कि इसका प्रभाव तत्काल न हो, बल्कि बाद में उभर कर आए। यहाँ उत्तरदायित्व का निर्धारण करना मुश्किल हो सकता है क्योंकि हो सकता है कि इसका लाभार्थी ‘परदे के पीछे’ से संचालन कर रहा हो। तथापि, क्योंकि इरादा ही दुर्भावनापूर्ण हो जाता है, ऐसा कृत्य गंभीर होता है व इसकी जांच की आवश्यकता है।

सुरक्षा घटना के उदाहरण

सामान्य तौर पर उद्योग दुर्घटनाओं में फिसलने, ठोकर लगने व गिरने की दुर्घटनाएं अत्यधिक होती हैं। द्वितीय, केवल मोटर वाहन दुर्घटनाओं के संबंध में, फिसलने, ठोकर

लगने और गिरने से सर्वाधिक आम दुर्घटनाएं होती हैं जिससे व्यक्तिगत चोट लगती है। फिसलने, ठोकर लगने और गिरने से सिर में चोट लग सकती है, हड्डियां टूट सकती हैं, मांसपेशियों में कटाव और ऐंठन आ सकती हैं। ऐसी कई स्थितियां हैं जिससे फिसलन, ठोकर अथवा गिरना हो सकता है जैसे बर्फ, गीली सतह, ग्रीस, पॉलिश की हुई सतहें, ढीला फर्श या गलीचे, असमान पैदल सतहें, क्लटर, बिजली की तारें, खुले डेस्क दराज और फाइलिंग कैबिनेट।

कमजोर, अनियमित सतहों जैसे बजरी, हिलती-डुलती फर्श की टाइलों, और असमान फुटपाथ से आपके लिए पैर की पकड़ बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। सामान्य सावधानियों और सुरक्षा उपायों से फिसलने, ठोकर लगने और गिरने की अधिकांश घटनाओं को रोका जा सकता है।

मानव शरीर के मांसपेशियों या नसों के माध्यम से पर्याप्त विद्युत प्रवाह पैदा करने के लिए पर्याप्त उच्च वोल्टेज के किसी भी स्रोत से संपर्क में आने पर **बिजली का झटका** लग सकता है। मानवों में न्यूनतम संसूचनीय विद्युत प्रवाह लगभग 1 एमए माना जाता है। विद्युत प्रवाह से ऊतकों या दिल को नुकसान हो सकता है, यदि यह पर्याप्त उच्च है।

घटना प्रबंधन

किसी घटना के प्रबंधन, इसके घटित होने से बहाली तक मूल कारण की पहचान के लिए प्रक्रिया और कार्यविधियों का अनुपालन किया जाता है। घटना प्रबंधन का उद्देश्य कम मूल्य पर, व्यापार या प्रयोक्ता पर कम से कम संभावित प्रभाव के साथ यथाशीघ्र सामान्य कार्यप्रणाली का बहाल करना है।

मूल कारण का विश्लेषण

यह पहचान करने के लिए कि ऐसे हानिकर परिणामों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए किन व्यवहारों, कार्यों, अकार्यों अथवा स्थितियों को बदलने की आवश्यकता है, उन कारकों की पहचान करने के लिए मूल कारण का विश्लेषण (आरसीए) संरचित मार्ग, जिनसे विगत एक अथवा अधिक

घटनाओं के हानिकर परिणामों की प्रकृति, परिमाण, अवस्थिति और समय का पता चला।

मूल कारण के विश्लेषण से प्रतिक्रियाशील संस्कृति को एक दूरदेशी संस्कृति में बदलने में मदद मिलती है जिससे उनके घटित अथवा आगे बढ़ने से पहले समाधान होता है।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि, वातावरण जिसके अंदर आरसीए प्रक्रिया का प्रयोग किया जाता है, समय के साथ इस समस्याओं की आवृत्ति में कमी आती है।

घटनाओं के कारक

दो प्रकार के कारक हैं जिनसे घटनाएं होती हैं, सक्रिय विफलता, एक ऐसा कार्य जिसका तत्काल प्रभाव होता है और इससे घटना/ दुर्घटना होने की संभावना होती है। द्वितीय निम्न क्रय अथवा विलंबित कार्य होता है, इस कारण इनका प्रभाव होने में वर्ग लग सकते हैं,, ये आमतौर पर घटनाओं के प्रेरण से जुड़े होते हैं और फिर घटना/ दुर्घटना को अंजाम देते हैं।

प्रत्यक्ष कारण

ये विफलताएं असुरक्षित कृत्य (त्रुटियां और उल्लंघन) होते हैं और व्यवस्था या प्रक्रिया का संचालन करनेवाले व्यक्तियों (मशीनरी के वास्तविक संचालक, कार्य/ प्रक्रिया के पर्यवेक्षक) द्वारा किए जाते हैं। यह मानव-व्यवस्था मेल में व्यक्ति होता है जिसके कार्यों का तत्काल प्रतिकूल परिणाम हो सकता है और कभी-कभी होता भी है।

अप्रत्यक्ष कारण

इनका किसी संगठन के विभिन्न स्तरों पर लिए गए निर्णयों के परिणामस्वरूप सृजन होता है। हानिकारक परिणाम काफी लंबे समय तक निष्क्रिय पड़े रह सकते हैं; ये केवल तभी स्पष्ट होते हैं जब स्थानीय प्रेरक कारकों के साथ मेल होता है। उदाहरण नियोजना, समय-निर्धारण, पूर्वानुमान, डिजाइनिंग और नीति निर्माण की धीमी गति का

प्रभाव हो सकता है। संगठन के माध्यम से ऐसे वास्तव में असुरक्षित कार्य का पता लगाया जा सकता है जिससे कोई दुर्घटना हुई अथवा प्रेरित हुई और इसके परिवर्ती विफलताएं उजागर होंगी और समग्र रूप से व्यवस्था के अंदर सुप्त असफलताओं के संचय का पता चलेगा जिससे घटना/दुर्घटना अधिक संभाव्य हुई तथा अंततः यह घटना हुई।

घटना प्रबंधन के अवयव

घटना प्रबंधन के घटक समाधानात्मक रोकथाम, पहचान, जांच और रिपोर्टिंग और निवारक कार्रवाई हैं।

रोकथाम

जैसी कि एक लोकप्रिय कहावत है ‘रोकथाम इलाज से बेहतर है।’ यही सिद्धांत घटना प्रबंधन प्रक्रिया पर भी लागू होता है। सभी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का सख्ती से पालन कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई घटना न हो। घटना की रोकथाम में एक महत्वपूर्ण तत्व प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों के आयोजन से जागरूकता का सृजन करना है।

खोज

खोज ऐसी कार्रवाई या घटनाओं का पता लगाने का कार्य है जिससे द्वारा सुरक्षा, रक्षा, गोपनीयता, अखंडता या किसी संसाधन की उपलब्धता से समझौता करने का प्रयास किया जाता है। उदाहरण के लिए, बम या बम जैसी वस्तु की खोज, परिधि में दरार वाली दीवार की खोज। घटना की खोज दो तरीकों से की जा सकती है; तकनीकी प्रेक्षण अथवा तकनीकी उपकरण। प्रत्यक्ष प्रेक्षण किए जाने वाले भौतिक निरीक्षण अथवा जांच होती हैं, उदाहरणार्थ, टूटे हुए ताले अथवा क्षतिग्रस्त खिड़की के लिए जाँच गश्त करते हुए। तकनीकी उपकरण ऐसे औजार होते हैं जिनका किसी घटना को दूर करने अथवा उसका पता लगाने के लिए उपयोग किया जाता है। उदाहरणार्थ, फायर-डिटेक्टर,

इन्फा—रेड रे आधारित प्रवेश अलार्म, पेरिमीटर सेंसर और मोशन डिटेक्टर कैमरों का प्रयोग।

निरीक्षण

निरीक्षण, सुरक्षा/रक्षा के उल्लंघन के कारण और प्रभाव का पता लगाने के लिए व्यवस्थित समीक्षा, जाँच और विश्लेषण करने की एक प्रक्रिया है। इसमें दो भी व्यक्ति की समीक्षा, जाँच और विश्लेषण भी किया जाता है।

आम तौर पर निरीक्षण के चरण अथवा प्रक्रिया प्रवाह निम्नानुसार होगा :

- 1. शिकायत/ घटना की प्राप्ति :** यह टेलीफोन या इलेक्ट्रॉनिक मेल के माध्यम से मौखिक, लिखित हो सकता है।
- 2. शिकायत/घटना का आकलन :** यह पता लगाने के लिए कि शिकायत की प्रकृति मामूली या गंभीर है।
- 3. घटना स्थल का दौरा :** समय बचाने और प्रमाण से छेड़छाड़ करने के लिए यह तत्काल किया जाता है।
- 4. घटना स्थल का अध्ययन :** भौतिक स्थिति, पर्यावरणीय स्थिति, सबूतों को समझाने, तहकीकात/ पूछताछ के माध्यम से जानकारी जुटाने और घटना से इन तथ्यों को जोड़ने के लिए यह विशेषज्ञों द्वारा किए जाने की आवश्यकता होती है।
- 5. प्रमाण एकत्र करना :** किसी मामले को, कम से कम, सुलझाने के लिए सभी प्रकार के प्रमाण, उदाहरण के लिए, फोटो, दस्तावेजों, किसी भी वस्तु/ हथियार, गवाहों और परिस्थितिजन्य साक्ष्य एकत्र करना, मिलाना और इनकी व्याख्या करना आवश्यक होता है।
- 6. गवाहों का परीक्षण :** प्रमाण की पुष्टि के लिए चश्मदीद गवाहों और अन्य लोगों का व्यापक परीक्षण किया जाएगा।

7. **विश्लेषण** : अंतिम कारण और प्रभाव पर पहुंचने के लिए, जिसके द्वारा जवाबदेही तय की जा सके, शिकायत, प्रमाण और साक्ष्यों की विवरणी पर आधारित निरीक्षण विश्लेषण किया जाएगा।
8. **निष्कर्ष और रिपोर्टिंग** : विश्लेषण का ब्यौरा देते हुए घटना की रिपोर्ट की जाएगी।

घटना की रिपोर्टिंग

घटना की रिपोर्ट एक लिखित दस्तावेज होता है जिसमें लोगों, उपकरण या प्रक्रिया को अनजानी स्थिति, त्रुटियों या चूक या अनहोनी घटनाओं का वर्णन होता है। घटना होने के तुरंत बाद ऐसी रिपोर्ट दायर की जानी चाहिए। हालांकि, कुछ मामलों में यह संभव नहीं हो सकता।

सुरक्षा और रक्षा संचालन में, आम तौर स्वीकृत विधि पहले अनौपचारिक मौखिक या लिखित संदेश दिया जाता है जिसके बाद घटना होने से 24 से 48 घंटे के भीतर एक औपचारिक विस्तृत रिपोर्ट दी जाती है।

घटना की रिपोर्ट में प्रभावित कर्मचारियों, ग्राहकों, आंकड़ों, प्रक्रिया और संपत्ति के बारे में जानकारी शामिल होती है। इस रिपोर्ट को विभाग या पर्यवेक्षक के अध्यक्ष जैसे किसी अधिकृत व्यक्ति द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए। कभी-कभी सुरक्षा संबंधी घटना की रिपोर्ट के गोपनीय होती है और इसका संगठन की नीति और प्रक्रिया के अनुसार निपटान किया जाना चाहिए।

सुधारात्मक और निवारक कार्रवाई

सुधारात्मक कार्रवाई समस्या या घटना को तत्काल और उसी जगह रोकने के लिए शुरू की गई कार्रवाई होती है, जबकि निवारक कार्रवाई ऐसी कार्रवाई होती है जिससे सुनिश्चित होता है कि ऐसी समस्या या घटना की पुनरावृत्ति न हो।

घटना रिपोर्टिंग प्रारूप

यह नोट किया जाए कि घटना की रिपोर्टिंग के लिए विभिन्न संगठनों द्वारा भिन्न प्ररूपों का उपयोग किया जाता है जबकि आम तौर पर स्वीकृत प्रारूप तालिका 1 में दिया गया है।

तालिका 1: सुरक्षा घटना रिपोर्टिंग प्रारूप

घटना की रिपोर्टिंग			
प्रभावित विभाग		घटना की तारीख	
अवस्थिति		घटना का समय	
घटना का विवरण			
घटना की रिपोर्ट देने वाला व्यक्ति			
कर्मचारी का नाम		विभाग	
पदनाम		हस्ताक्षर	

घटना का प्रबंधन

घटना संख्या	पंजीकरण	
घटना की श्रेणी	सुरक्षा घटना	रक्षा घटना
घटना का विश्लेषण		
सुधारात्मक कार्रवाई		
निवारक कार्रवाई		
घटना की रिपोर्ट देने वाला व्यक्ति		
कर्मचारी का नाम		विभाग
पदनाम		हस्ताक्षर

जांच प्रक्रिया में सुरक्षा कर्मियों की जिम्मेदारी

जांच प्रक्रिया में सुरक्षा कर्मियों की भूमिका और जिम्मेदारी महत्वपूर्ण होती है। चूंकि सुरक्षा कर्मी घटना में शामिल होते हैं, जानकारी एकत्र करने, प्रमाण एकत्र व सुरक्षित करने, घटना की रिपोर्टिंग और साक्ष्यों से जांच पड़ताल करना काफी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। कुछ बातें निम्नानुसार हैं :

- विस्तृत घटना की रिपोर्ट तैयार करना।
- मामले से संबंधित साक्ष्य एकत्र व सुरक्षित रखना।
- गवाहों की विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार करना।
- गवाहों के संपर्क का विवरण रखना।
- घटना के संबंध में विस्तृत लॉग रिपोर्ट तैयार करना।
- प्रत्यक्षदर्शियों, यदि कोई हों, को पहचानना और उनका संपर्क विवरण रिकॉर्ड करना।
- जांच प्राधिकरण को अद्यतन करना।
- जब और जैसे आवश्यक हो, जब जांच अधिकारियों की सहायता करना।

घटना प्रबंधक

घटना का प्रबंधन करने वाला व्यक्ति घटना प्रबंधक होता है। घटना प्रबंधक एक कार्यात्मक भूमिका होती है और यह कोई पद नहीं है। वह अगुवाई के लिए एक केन्द्र बिन्दु होता/होती है और अनुवर्ती प्रतिबद्धताओं और पर्याप्त सूचना प्रवाह का पालन सुनिश्चित कर किसी घटना/आयोजन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाता/निभाती है।

अभ्यास

कार्य

कल्पना करें कि आप एक्सवार्इजेड बैंक के एक कर्मचारी हैं और आपके शाखा प्रबंधक ने आपसे किसी दिए गए विवरण के आधार पर एक घटना रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। प्रारूप में घटना की रिपोर्ट तैयार करें :

एटीएम कार्ड मांगने के बाद धोखेबाजी की चालबाजियां फोन पर जानकारी

बैंक मैनेजर के रूप में एक जालसाज ने लोगों को बुलाया और क्रेडिट कार्ड के बारे में उनकी व्यक्तिगत जानकारी लेने के बाद उनके लाखों रुपए ठग लिए। आरोपी एक्सवार्फजेड बैंक के प्रबंधक के रूप में लोगों से फोन कर रहा है। विगत दिनों में राजधानी में पहले से ही एक दर्जन से अधिक लोगों को ठगा गया है जिससे साइबर अपराध अधिकारियों को मजबूरन सलाह जारी करनी पड़ी है। पिन का ब्यौरा लेने के बाद दोशी व्यक्ति ने धोखाधड़ी से लेन-देन किया है।

सभी घटनाओं में, शिकायतकर्ताओं को फोन किया गया और फोन पर बात करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को बैंक प्रबंधक बताते हुए नए कार्ड जारी करने का आश्वासन देते हुए कार्ड के विवरण देने के लिए अनुरोध किया। अज्ञात आरोपी ने, प्रीपेड मोबाइल वाउचर खरीदने या अलग—अलग वेबसाइटों के माध्यम से क्रेडिट खरीदने और बाद में उसे अपने खाते में स्थानांतरित करने सहित ऑनलाइन खरीदारी की।

आकलन

क. लघु उत्तर वाले प्रश्न

1. शब्द 'घटना' को स्पष्ट करें।

2. घटना की श्रेणियों की सूची बनाएं।

3. सुरक्षा और रक्षा में से प्रत्येक के उल्लंघन के चार उदाहरण दें।

4. घटना प्रबंधन के घटक बताएं।

.....
.....
.....
.....

5. जांच के चरण / प्रक्रिया बताएं।

.....
.....
.....

6. जांच प्रक्रिया में सुरक्षा कर्मियों की जिम्मेदारियां क्या होती हैं?

.....
.....
.....
.....

आकलन गतिविधि के लिए जांचसूची

निम्नलिखित जांचसूची का उपयोग करते हुए देखें कि क्या आप आकलन गतिविधि के लिए सभी आवश्यकताएं पूरी करते हैं।

भाग क

- (क) घटनाओं के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कारणों के बीच अंतर
- (ख) घटनाओं के रोकथाम और पता लगाने के बीच अंतर
- (ग) सुधारात्मक और निवारक कार्रवाई के बीच अंतर

भाग ख

निम्नलिखित कक्षा में चर्चा करें :

- (क) घटनाओं की विभिन्न श्रेणियां क्या हैं?
- (ख) एक घटना प्रबंधक की भूमिका और उत्तरदायित्व क्या हैं?
- (ग) घटना प्रबंधन के भाग क्या हैं?
- (घ) जांच में शामिल चरण क्या हैं?
- (ङ) जांच में सुरक्षा व्यक्तियों के उत्तरदायित्व क्या हैं?

भाग ग

निष्पादन मानक

निष्पादन मानकों में ये शामिल हैं किंतु इन तक सीमित नहीं हैं :

निष्पादन मानक	हाँ	नहीं
घटना के प्रकार की पहचान करें।		
जांच में शामिल चरण / प्रक्रिया की सूची बनाएं।		
घटना रिपोर्टिंग फॉर्म भरें।		

सत्र 2: बम और तत्काल विस्फोटक युक्तियों (आईईडी) खतरों से निपटना

संगत ज्ञान

सुरक्षा से एक सुरक्षित और खतरे से मुक्त वातावरण मिलता है, जिसमें लोग अपने दैनिक कामकाज कर सकते हैं। हालांकि, आदर्श सुरक्षा जैसी कोई अवधारणा नहीं है। किसी भी संगठन की सुरक्षा व्यवस्था को आशंका, संवेदनशीलता और जोखिम व विभिन्न प्रकार की घटनाएं हो सकती हैं, जिन्हें सामान्यतः सुरक्षा/रक्षा घटना या उल्लंघन कहा जाता है। ये घटनाएं विभिन्न कारणों जैसे मानव त्रुटि, तकनीकी और उपकरण में त्रुटियों से होती हैं।

एक बम की धमकी कारोबार में खलल डालने का एक प्रभावी साधन है। समस्याओं को और अधिक गहन कर दिया जाता है जब घटना में एक वारस्तविक विस्फोटक या आग लगाने वाला डिवाइस शामिल होता है। हालांकि किसी परिसर को बम की धमकी के खतरे (या बम हमले) के खिलाफ सुरक्षित करने का कोई पक्का साधन नहीं है, सही ढंग से क्रियान्वित अच्छी सुरक्षा योजना से किसी घटना का ठीक से निपटान किया जा सकता है। बम और उनके प्रयोग की धमकी आतंकवादी का प्रमुख हथियार बन गए हैं। इनका यथार्थ अथवा काल्पनिक शिकायत करने वाले कर्मचारियों द्वारा करने के साथ ही आपराधिक उगाही करने वाले लोगों द्वारा प्रतिशोध के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

इस इकाई का उद्देश्य शिक्षार्थियों को सामान्य दिशा निर्देशों की जानकारी प्रदान करना है जिनका बम विस्फोट की घटनाओं पर प्रतिक्रिया में इस्तेमाल किया जा सकता है।

विस्फोटक और बम

विस्फोटक रासायनिक यौगिक होते हैं जो ऊपर की ओर भड़कते हैं और तेज आवाज के साथ फटते हैं। अत्यंत उच्च तापमान और दबाव के तहत यह तेजी से गैस में परिवर्तित हो सकता है जिससे लगातार वारदातें होती हैं। बम एक विस्फोटक उपकरण होता है जिसमें एक आवरण होता है जिसके भीतर विस्फोटक पैक होते हैं। खास परिस्थितियों में समय, दबाव, कंपन, प्रकाश संवेदनशीलता, रिमोट कंट्रोल आदि के तहत विस्फोटक उपकरण को फ्यूज किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप विस्फोटक अत्यंत अचानक और उग्र तरीके से निर्गम (रिलीज) होता है।

डेटोनेटर

डेटोनेटर एक ऐसा उपकरण होता है जिसका विस्फोटक डिवाइस/बम का प्रभाव अधिक घातक बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। डिटोनेटर्स को रासायनिक, मैकेनिकल या विद्युत से शुरू किया जा सकता है। इनमें से मैकेनिकल और विद्युत दो सबसे आम हैं।

विस्फोटकों की श्रेणियां और प्रकार

विस्फोटकों को श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है : निम्न विस्फोटक और उच्च विस्फोटक।

निम्न विस्फोटक तीव्रता अथवा अधिक गहनता से जलते हैं। ये काफी तीव्रता से जलते हैं, किंतु इनमें विस्फोट नहीं होता। विस्फोटक का प्रभाव तीव्र करने के लिए आम तौर पर इन्हें उच्च विस्फोटकों के साथ मिलाया जाता है। तथापि, कभी—कभी निम्न विस्फोटक भी फट जाते हैं।

उच्च विस्फोटक फटते हैं अथवा इनमें विस्फोट होता है। उच्च विस्फोटक बहुत तेजी से फटते हैं और विस्फोटित होते हैं। लोग खनन या पुरानी इमारतों को नष्ट करने में उच्च विस्फोटकों का उपयोग करते हैं। सैन्य हथियारों में उच्च विस्फोटकों का उपयोग किया जाता है। उच्च विस्फोटकों में निम्न विस्फोटकों से ज्यादा दबाव उत्पन्न होता है।

विस्फोटक के प्रकार : टीएनटी (ट्राई नाइट्रो टोल्यूइन), सेमटेक्स, नाइट्रो ग्लिसरीन, अमोनियम नाइट्रेट, गन पाउडर, आरडीएक्स कुछ ऐसे विस्फोटक हैं जिनका बम बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।

आईईडी ट्रिगर तंत्र और इन्हें छुपाने के साधन

इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) : यह इम्प्रोवाइज्ड (उन्नत) तरीके से रखा या बनाया गया विस्फोटक डिवाइस है। आईईडी उपकरण “घरेलू निर्मित” होते हैं जिन्हें घायल करने या पंगु बनाने के लिए प्रहार हेतु बनाया जाता है। इन्हें आम तौर पर, सड़कों के किनारों पर फेंक दिया जाता है या सड़क पर ही रख

दिया जाता है (गुजरते वाहन में लोगों की नजरों से परे)। आईईडी में एक घड़ी, समय द्वारा निर्धारित (टाइम्स) फ्यूज, सेल फोन, दबाव, झुकाव, कंपन या एक रिमोट कंट्रोल से विस्फोट किया जा सकता है। इन्हें विनाश करने, अशक्त करने, परेशान या विचलित करने के लिए बनाया जाता है।



आईईडी की तीन श्रेणियां होती हैं :

- पैकेज प्रकार का आईईडी।
- वाहन वाला आईईडी।
- आत्मघाती बम आईईडी।



आईईडी के लिए आमतौर पर निम्नलिखित ट्रिगर डिवाइस का इस्तेमाल किया जाता है।

- समय नियंत्रण।
- प्रकाश नियंत्रण।
- गति नियंत्रण।
- दबाव का प्रयोग।
- निर्गम दबाव।
- एंटी ओपन।
- एंटी लिफ्ट।
- एंटी रोल।
- रिमोट द्वारा नियंत्रित।



ऐसे बहुत से तरीके हैं जिनसे आईईडी को छुपाया जा सकता है। तथापि, विस्फोटकों/ आईईडी छुपाने के लिए सबसे अधिक प्रचलित साधन निम्नलिखित हैं :

- ट्रांजिस्टर बम
- प्रेशर कुकर बम
- गुड़िया बम
- किताब बम
- साइकिल बम
- मानव बम
- वाहन बम
- बारूदी सुरंग आईईडी
- वाहन द्वारा ले जाने वाला आईईडी



- पुस्तक में ले जाया गया बम आईईडी
- पेस्टी केन में ले जाया गया बम आईईडी
- मोबाइल आईईडी

विस्फोट के प्रभाव

विस्फोट से धमाका, बिखरने का प्रभाव, गर्मी और आग निकलती हैं। इस चोट लगती है, जान और माल का नुकसान होता है।

एक बम की धमकी वाले फोन कॉल से निपटने और संदिग्ध बम को खोजने की प्रक्रिया

बम की धमकी कॉल के दो प्रकार के होते हैं: विशिष्ट और गैर-विशिष्ट। विशिष्ट धमकी वाले कॉल में, इमारत, विशेष विभाग, क्षेत्र और मंजिल का उल्लेख होता है या उसकी पहचान बताई जाती है। सही तारीख और समय बताया जाता है। यदि इस तरह का उल्लेख नहीं किया गया है, तो धमकी के कॉल को गैर-विशिष्ट के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इन धमकियों की उपेक्षा नहीं की जा सकती और प्रक्रिया के अनुसार इमारत की एक खोज करनी होती है। नोट किया जाए कि बम की सभी धमकियों को वास्तविक माना जाना चाहिए, चाहे वह चकमा देने के लिए हो या असली धमाके की धमकी हो।

परिसर खाली कराने के लिए प्रक्रिया

इमारत को खाली करने के लिए अधिकृत व्यक्ति से पुष्टि होने पर, सार्वजनिक उद्घोषणा व्यवस्था के माध्यम से एक घोषणा की जानी चाहिए जिसमें लोगों से व्यवस्थित और शांत तरीके से परिसर निकलने का आदेश दिया जाए। निकासी का क्रम/ अनुक्रम उपलब्ध समय, खतरे की प्रकृति (विशिष्ट या गैर विशिष्ट), और बम जैसी मिली वस्तु पर निर्भर करेगा।

अभ्यास

प्रकरण का अध्ययन

पुलिस ने कहा, शहर में एक राजनीतिक पार्टी के कार्यालय के पास गुरुवार को एक शक्तिशाली बम विस्फोट हुआ जिसमें कम से कम 16 लोग घायल हुए। जैसा पुलिस महानिदेशक द्वारा सूचित किया गया, बम राजनीतिक पार्टी के कार्यालय से लगभग 20 गज की दूरी पर खड़ी एक मोटर साइकिल में लगाया गया था। घायलों

का आसपास के अस्पतालों में इलाज किया जा रहा जहां डॉक्टरों ने बताया कि पांच लोगों की हालत गंभीर है। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास की इमारतों को हिलाकर रख दिया और खिड़कियों के शीशे टुकड़े-टुकड़े हो गए। विस्फोट के बाद आग की चिंगारियों में तीन कार और कई स्कूटर जलकर खाक हो गए थे। पास में खड़ी एक पुलिस बस भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। घटनास्थल पर पहुंचने पर पुलिस ने तुरंत चारों ओर पीले टेप रखकर इलाके को घेर लिया और फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। घटनास्थल से सबूत इकट्ठा करने के लिए खोजी कुत्ते और बम विशेषज्ञों को लगाया गया था। अभी तक की जांच में यह पुष्टि हुई है कि विस्फोट को तीव्र करने के लिए पाइप के रूप में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का प्रयोग किया गया था (पाइप बम)। फोरेंसिक विशेषज्ञों को घटनास्थल के ईर्द-गिर्द लिथियम और क्षारीय अवशेष मिले जो इस बात की ओर संकेत करता है कि पाइप बम के रूप में बम इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) था। बम संभवतः मोटरबाइक से इस प्रकार जुड़ा हुआ था जिससे यह बाइक का एक हिस्सा लगे। विस्फोटक सामग्री के तार पर अमोनियम नाइट्रेट का उपयोग किया गया था।

उपरोक्त प्रकरण अध्ययन के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें :

(i) कहां बम रखा गया था?

.....

(ii) घटनास्थल पर भीड़ एकत्र होने से रोकने के लिए पुलिस ने तत्काल क्या कार्रवाई की?

.....

(iii) विस्फोट के लिए किस उपकरण का इस्तेमाल किया गया था?

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

(iv) बम के लिए कौन सी विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल किया गया था?

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

आकलन

1. विस्फोटक और बम के बारे में बताएं।

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

2. डेटोनेटर को परिभाषित करें।

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

3. विस्फोटकों की श्रेणियों की सूची बनाएं।

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

4. विस्फोटकों के प्रकारों की सूची बनाएं।

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

5. आईईडी के बारे में बताएं? आईईडी की श्रेणियों का विवरण दें।

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....
.....

6. आईईडी के लिए आम तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले ट्रिगर डिवाइस के प्रकार की सूची बनाएं।

.....
.....
.....
.....
.....

7. विस्फोट के प्रभाव का वर्णन करें।

.....
.....
.....
.....
.....

आकलन गतिविधि के लिए जांचसूची

निम्नलिखित जांचसूची का उपयोग करते हुए देखें कि क्या आप आकलन गतिविधि के लिए सभी आवश्यकताएं पूरी करते हैं।

भाग क

- (क) विस्फोटक और डेटोनेटर के बीच अंतर
- (ख) उच्च विस्फोटक और कम तीव्रता वाले विस्फोटक के बीच अंतर
- (ग) आईईडी के विभिन्न प्रकारों के बीच अंतर।

भाग ख

निम्नलिखित कक्षा में चर्चा करें :

- (क) आईईडी के विभिन्न प्रकार क्या हैं?
- (ख) बम / आईईडी के खतरों के साथ निपटान कैसे करें?
- (ग) बम के हमलों के दौरान निकासी के दौरान उठाए जाने की सावधानियां क्या हैं?

भाग ग
निष्पादन मानक

निष्पादन मानकों में ये शामिल हैं किंतु इन तक सीमित नहीं हैं :

निष्पादन मानक	हाँ	नहीं
बम के खतरों के साथ निपटाने के लिए किए जाने वाले चरणों के ज्ञान का प्रदर्शन		

शब्दावली

उल्लंघन : कुछ करने के लिए एक विफलता जिसे विधिवत किया जाना चाहिए।

निकासी : लोगों को खतरे की किसी जगह से एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करना।

विस्फोटक उपकरण : ऐसा उपकरण जो आंतरिक ऊर्जा से अचानक उग्र रूप से फटता है।

इम्प्रोवाइज़ड : जो कुछ उपलब्ध है, उसका उपयोग करते हुए कुछ बनाना या करना।

घटना : अनहोनी घटना जिससे (हालात पर निर्भर करता है) नुकसान, आपदा या हानि हो सकती है।

निर्देश : इस संबंध में विस्तृत जानकारी कि किसी कार्य को किस प्रकार करना है अथवा किसी वस्तु का किस प्रकार उपयोग करना है।

जांच : आधिकारिक अधिकारी द्वारा किसी परिस्थिति, अपराध आदि के बारे में तथ्यों का परीक्षण।

प्रक्रिया : एक विशेष परिणाम प्राप्त के लिए क्रम श्रृंखला।

रिकार्ड : ऐसा दस्तावेज जो किए गए कार्यकलापों, हुई घटना, प्राप्त परिणामों या दिए गए बयानों का स्मरण कराते हैं अथवा वस्तुनिष्ठ प्रमाण प्रदान करते हैं। किसी संगठन द्वारा इसके व्यवसाय के दैनिक लेन-देन में अथवा अपने वैधानिक उत्तरदायित्वों के अनुसरण में रिकार्ड बनाए/हासिल किए जाते हैं। रिकॉर्ड दो या दो से अधिक दस्तावेजों में से मिलकर बनता है।

रिपोर्ट : ऐसा दस्तावेज जिसमें आवधिक, आवर्ती, नियमित रूप से, या यथाअपेक्षा आधार पर वर्णनात्मक, ग्राफिक, या सारणीबद्ध रूप में सूचना दी गई होती है। रिपोर्टों में विशिष्ट अवधि, घटनाओं, वारदातों अथवा विषयों का उल्लेख हो सकता है और इसे मौखिक अथवा लिखित रूप में संप्रेषित अथवा प्रस्तुत किया जा सकता है।

जिम्मेदारी : किसी कार्य के संतोषजनक रूप से नि पादन अथवा संपन्न करने की ड्यूटी या दायित्व (किसी के द्वारा सौंपा गया अथवा किसी के अपने वायदे अथवा परिस्थिति से सृजित) जो किसी को पूरा करना होता है और जिसमें विफल रहने के परिणाम स्वरूप दण्ड होता है।

रक्षा : किसी खतरे या नुकसान से रक्षित और सुरक्षित रहने की स्थिति।

सुरक्षा : किसी देश, इमारत अथवा व्यक्ति को हमले, खतरे आदि से रक्षा करने में शामिल गतिविधियां।

स्थिति : ऐसी सभी परिस्थितियां और चीजें हैं जो किसी विशेष समय पर और विशेष स्थान पर विद्यमान हों।

संदेहास्पद : किसी भी सबूत के बिना ऐसा भाव कि किसी ने कुछ गलत अवैध या बेर्झमानी की है।

समय का पैमाना : ऐसी समयावधि जो कुछ घटित होने अथवा पूरा होने में लगती है।